॥ आरती श्री साई गुरुवर की ॥

Chalisamantras.com

आरती श्री साई गुरुवर की,
परमानंद सदा सुरवर की ।

जाकी कृपा विपुल सुखकारी,
दु:ख शोक संकट भयहारी,
शिरडी में अवतार रचाया,
चमत्कार से जग हर्षाया,
आरती श्री साई गुरुवर की,
परमानंद सदा सुरवर की ।

कितने भक्त शरण में आये,
सब सुख शांति चिरंतन पाये,
भाव धरे जो मन में जैसा,
पावत अनुभव वो ही वैसा,
आरती श्री साई गुरुवर की,
परमानंद सदा सुरवर की ।

गुरु की उदी लगावे तन को,
समाधान लाभत उस मन को,
साईं नाम सदा जो गावे,
सो फल जग में शाश्वत पावे,
आरती श्री साई गुरुवर की,
परमानंद सदा सुरवर की ।

गुरुवासर करी पूजा सेवा,
उस पर कृपा करत गुरुदेवा,
राम कृष्ण हनुमान रूप में,
जानत जो श्रध्दा धर मन में,
आरती श्री साई गुरुवर की,
परमानंद सदा सुरवर की ।

Chalisamantras.com

विविध धर्म के सेवक आते,
दर्शन कर इच्छित फल पाते,
साईं बाबा की जय बोलो,
अंतर्मन में आनंद घोलो,
आरती श्री साई गुरुवर की,
परमानंद सदा सुरवर की ।

साईं दास आरती गावे,
बसी घर में सुख मंगल पावे,
आरती श्री साई गुरुवर की,
परमानंद सदा सुरवर की ।

आरती श्री साई गुरुवर की,
परमानंद सदा सुरवर की ।

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com